बर्षः- 06
अंकः- 94
मुरादाबाद
(Friday)
94 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

# क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

**पेपर लीक विवादः पीएम मोदी बोले- दोषियों को जल्द सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएगी सरकार**

पेपर लीक के मामलों के निपटारे के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि जल्द फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाई जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पेपर लीक मामलों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।पीएम मोदी ने कहा, पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने, मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा।अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश% उन्होंने बताया कि इस संबंध में संबंधित विभागों और अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दे दिए गए हैं। पीएम मोदी ने कहा, विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक अहम कदम है।

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा
प्रधानमंत्री ने यह भी कहा, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री की ओर से यह घोषणा तब की गई है, जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में छात्रों-युवाओं का प्रदर्शन जारी है।

## संक्षिप्त समाचार

**चार बार भेजा बातचीत का प्रस्ताव, मंत्री जितेंद्र सिंह बोले- किसी भी समय चर्चा को तैयार है सरकार**

पेपर लीक के मुद्दे पर जंतर-मंतर में चल रहे सीजेपी के प्रदर्शन के बीच केंद्र सरकार ने चार बार बातचीत का प्रस्ताव भेजने का दावा किया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार किसी भी समय और किसी भी जगह चर्चा को तैयार है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को बातचीत जारी रखने का प्रस्ताव दिया गया। लेकिन सीजेपी के नेतृत्व ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। समाचार एजेंसी एएनआई ने सरकार के सत्रों के हवाले से गुरुवार को यह जानकारी दी। इसी बीच केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारी संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधियों को चार बार औपचारिक बातचीत का प्रस्ताव भेजा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार किसी भी समय, किसी भी जगह और प्रदर्शनकारियों की सुविधा के अनुसार बातचीत करने को तैयार है। हालांकि, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही सीजेपी ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। ऐसे में आंदोलन और सरकार के बीच बना गतिरोध अभी भी कायम है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर है। सीजेपी से जुड़े युवा शिक्षा व्यवस्था पर व्यापक चर्चा, परीक्षा प्रणाली में बदलाव और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इसी बीच 25 दिनों से अनशन पर बैठे लद्दाख के शिक्षाविद और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने नरम रुख दिखाया

**छात्रों के समर्थन में मौन हुए अन्नाः पीएम मोदी को चिट्ठी लिख जताया दुख, धर्मेंद्र प्रधान को लेकर कही ये बात**

छात्रों पर हुई कार्रवाई से आहत अन्ना हजारे ने अहिल्यानगर में दो घंटे का मौन प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और छात्रों से शांतिपूर्ण बातचीत की मांग की है। दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन को अब वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे का भी समर्थन मिल गया है। बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में अन्ना हजारे ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने करीब दो घंटे तक मौन आंदोलन किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई पर चिंता जताई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पूरे मामले में हस्तक्षेप की अपील की। दो घंटे का मौन आंदोलन, सरकार तक पहुंचाया संदेश- अन्ना हजारे का मौन प्रदर्शन सुबह 11 बजे शुरू हुआ और दोपहर 1 बजे समाप्त हुआ। उन्होंने बिना भाषण दिए शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। आंदोलन खत्म होने के बाद उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च नेतृत्व तक जनता और छात्रों की पीड़ा पहुंचाना उनका कर्तव्य है। इसके बाद वह अपने गांव रालेगण सिद्धि लौट गए।अन्ना हजारे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे पत्र में दिल्ली में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को दुखद बताया। उन्होंने लिखा कि युवाओं का आक्रोश केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि उनके भविष्य और व्यवस्था पर भरोसे से जुड़ा सवाल है। उनके मुताबिक सरकार को इस मामले को संवेदनशीलता के साथ देखने की जरूरत है।अन्ना हजारे ने कहा कि यदि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा देते हैं तो इससे सरकार कमजोर नहीं होगी। इसके उलट सरकार की जवाबदेही तय होगी और जनता का भरोसा बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जवाबदेही ही सबसे बड़ी ताकत होती है।

**सौगात, बोले- आस्था पर प्रहार करने वाले अब बने आस्थावान**

गोरखपुर दौरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 994 करोड़ रुपये की 14 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग पहले आस्था पर प्रहार करते थे, आज वही आस्थावान बनने का ठेका लेने की बात कर रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने गोरखपुर दौरे पर शुक्रवार को विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने 813 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं का लोकार्पण और 181 करोड़ रुपये की 10 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग कभी आस्था पर प्रहार करते थे, आज वही आस्थावान बनने का ठेका लेने का दावा कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार की विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2007 से 2017 के बीच 10 वर्षों में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने 29 चीनी मिलों को बंद किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय और शोषण किया, जिसे प्रदेश की जनता भली-भांति जानती है। उन्होंने कहा कि आज नए उत्तर प्रदेश में विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रदेश में सड़क संपर्क व्यवस्था पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है और सरकार लगातार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने का काम कर रही है।गुरुवार को टीपीनगर-पैडलेगंज मार्ग पर 2.6 किमी लंबे सिक्सलेन फ्लाईओवर सहित 813.52 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं का लोकार्पण और 181.77 करोड़ रुपये की 10 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोगों के मुंह से आस्था के उपदेश हास्यास्पद लगते हैं। सपा ने अपने शासन में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन को बाधा पहुंचाई। उसने रामभक्तों पर गोली चलवाई। कांग्रेस ने भगवान श्रीराम के अस्तित्व और मंदिर आंदोलन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपना अधिवक्ता खड़ा किया। ऐसे लोग आज किस मुंह से आस्था की बात कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और सपा ने अपनी सरकारों में न केवल आस्था से खिलवाड़ किया बल्कि युवाओं को नौकरी और रोजगार से वंचित किया, अन्नदाता किसानों का हक छीना। इन दलों की सरकारों ने बहन-बेटियों और व्यपारियों की सुरक्षा पर संकट खड़ा किया। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले यूपी में आए दिन दंगे होते थे, अराजकता चरम पर थी। होली, दुर्गापूजा, विजयदशमी, रामनवमी, कृष्णजन्माष्टमी जैसे पर्वों पर दंगे होते थे, कांवड़ यात्रा नहीं निकलने दी जाती थी। अब यही लोग आस्था पर बड़े-बड़े हास्यास्पद उपदेश दे रहे हैं। शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता कांग्रेस और सपा का किया अत्याचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 के पहले इंसेफेलाइटिस को लेकर सरकारी उदासीनता, सुरक्षा और निवेश के बदतर हालात को लेकर भी कांग्रेस और सपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले इंसेफेलाइटिस बीमारी पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए नियति बन चुकी थी। इसकी चपेट में आकर हजारों बच्चों की मौत हो गई पर तबकी सरकारों के कान पर जूं नहीं रेंगता था। सरकारें कान में रुई डालकर सोई रहती थीं, उन्हें जनता की पीड़ा महसूस करने की फुर्सत नहीं थी। उन्होंने कहा कि बच्चों, किशोरों और नौजवानों के जीवन के साथ कांग्रेस और सपा ने जितना शोषण और अत्याचार किया उसे शब्दों में नहीं व्यक्त किया जा सकता। नौकरियों पर होता था सैफई सिंडिकेट का कब्जा- मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सरकार ने नौजवानों को बेरोजगार करने का पाप किया था। सपा शासन में कभी नौकरी निकली भी तो उस पर उसी पार्टी के लोग युवाओं से छल करते थे। नौकरियों पर सैफई सिंडिकेट का कब्जा हो जाता था। सपा ने न सिर्फ नौकरियों पर डकैती डाली बल्कि उसने नौजवानों के अधिकार कम कर उन्हें ठगने का भी काम किया। माफिया और मच्छर के भय से कोई नहीं आना चाहता था गोरखपुर- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से 10 वर्ष पूर्व गोरखपुर में भय का माहौल था। तब गोरखपुर गुंडे, माफियाओं और मच्छर के लिए बदनाम था। माफिया और मच्छर के भय से कोई गोरखपुर नहीं आना चाहता था। 10 वर्ष पूर्व कोई भी निवेशक गीडा में निवेश करने को तैयार नहीं था। माफिया के भय से कोई प्रॉपर्टी नहीं खरीदता था।

आज जब सुरक्षा का माहौल मिला तो बड़े पैमाने पर निवेश आया है। इससे अकेले गीडा में 50000 नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिला है। आज हर व्यक्ति की पहली च्वाइस गोरखपुर में जमीन खरीदने और मकान बनवाने की होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2007 से 2017 तक प्रदेश की 29 चीनी मिलों को तत्कालीन कांग्रेस और सपा सरकारों ने बंद कर दिया। इनमें से 21 चीनी मिलों को औने पौने दामों पर बेच दिया गया। पडरौना चीनी मिल को महज 2 करोड़ में बेचा गया जबकि उसका स्क्रेप इससे कई गुना अधिक था, जमीन की कीमत तो 200 करोड़ रुपये थी।

**मायावती बोलीं- पेपर लीक के मुद्दे को राजनीतिक बनाने से संसद से सड़क तक बढ़ा टकराव, ये अनुचित**

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर कहा कि राजनीतिक स्वार्थ में संसद से सड़क तक टकराव अनुचित है। सरकार और कोर्ट को अपनी भूमिका निभानी चाहिए।बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के व्यापक हो रहे आंदोलन का अब विभिन्न राजनीतिक पार्टियों द्वारा अपने-अपने स्वार्थ में राजनीतिकरण करके सड़क से लेकर संसद तक टकराव व हिंसा करना अनुचित है। सरकार व आंदोलनकारी मिलकर इसका शांति व सौहार्दपूर्ण समाधान जितना जल्द निकालें, उतना उचित होगा। देश व जनहित से जुड़े वर्तमान विकट हालात के समाधान के लिए सरकार तथा कोर्ट जैसी संवैधानिक संस्थाओं को अपनी भूमिका निभाने की पहल करनी चाहिए।बसपा सुप्रीमो ने बृहस्पतिवार को जारी अपने बयान में कहा कि सीजेपी का दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले कई दिनों से अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी है। यह नीट जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक व अन्य गड़बड़ियों के दुष्परिणाम से छात्र-छात्राओं व उनके परिवार के प्रभावित जीवन को लेकर है। इसे लेकर सड़क से संसद तक हंगामा बरपा है। अब इसका राजनीतिकरण करने से यह मुद्दा सरकार के साथ सीधे टकराव का हो गया है। इस विषम स्थिति से देश को निकालना जरूरी है क्योंकि इससे दिल्ली में ही नहीं बल्कि विभिन्न राज्यों में भी आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी आदि का मामला हो या फिर आल-इंडिया व राज्यों की परीक्षाओं आदि में पेपर लीक का मुद्दा हो, यह सभी भ्रष्टाचार के पनपने का ही परिणाम है। यह संवैधानिक नैतिकता से भी जुड़ा मामला है, जिसके अभाव में यह देश को दीमक की तरह खाता चला आ रहा है।

**सड़क से संसद तक संग्रामः सरकार चर्चा चाहती तो पहले दिन ही कर लेती;नीट विवाद पर खरगे ने केंद्र पर उठाए सवाल**

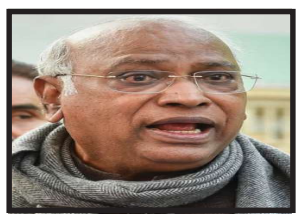

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेपर लीक मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार सच में चर्चा चाहती तो पहले दिन से इसकी अनुमति देती। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के आरोप का खंडन किया कि विपक्ष परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक पर चर्चा से भाग रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार असल में बहस चाहती, तो उसने विपक्ष की पहली मांग पर ही इसकी अनुमति दे दी होती। मल्लिकार्जुन खरगे ने क्या कहा? - पत्रकारों से बात करते हुए, खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस मुद्दे पर उनके इरादों पर सवाल उठाया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। खरगे ने कहा अगर वे चर्चा के लिए तैयार होते, तो जिस दिन हमने इसकी मांग की थी, उसी दिन से शुरू हो जाती। वे तैयार क्यों नहीं थे? बाद में, आपने छात्रों पर लाठीचार्ज किया। हम सांसद हैं, लेकिन सत्ताधारी दल के लोगों ने खुद आज दरवाजा बंद कर दिया।उन्होंने आगे कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए। जब तक वे (धर्मेंद्र प्रधान) इस्तीफा नहीं देते, तब तक यह काम नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री अब तक चुप क्यों थे? अगर इस स्थिति के लिए कोई जिम्मेदार है, तो वह प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने खुलेआम अपने सांसदों को छात्रों के आंदोलन का विरोध करने के लिए कहा है। प्रधानमंत्री की मंशा सही नहीं है। उन्होंने कभी भी अहम मुद्दों पर बात नहीं की है। उन्होंने आगे कहा, हम नियम 267 के तहत चर्चा करना चाहते थे। लेकिन सरकार इसके लिए सहमत नहीं हुई। उन्होंने राहुल , प्रियंका और अन्य लोगों का अपमान किया। हम शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद ही किसी भी चर्चा के लिए तैयार होंगे। प्रियांक खरगे ने सरकार से क्या सवाल पूछा? - कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने शिक्षा मंत्री को बदलने से इनकार करने के केंद्र के फैसले की आलोचना की। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार लाखों छात्रों के भविष्य की बजाय एक मंत्री को प्राथमिकता क्यों दे रही है। धर्मेंद्र प्रधान भारत सरकार के लिए इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं? प्रियांक खरगे ने कहा, अगर सरकार अब भी छात्रों की भावनाओं को नहीं समझती है, तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। धर्मेंद्र प्रधान भारत सरकार के लिए इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं?

**मेट्रो स्टेशन बंद होने पर सीजेआई बोले- दोपहर तक समाधान नहीं हुआ तो करेंगे हस्तक्षेप**

छात्रों के प्रदर्शन के बीच सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन बंद होने का मामला शीर्ष कोर्ट पहुंचा। सीजेआई सूर्य कांत ने कहा कि दोपहर तक समाधान नहीं निकला तो वह खुद दखल देंगे। वकीलों और कर्मचारियों को स्टेशन इस्तेमाल की अनुमति देने का आग्रह किया गया है।छात्रों के प्रदर्शन के बीच सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन बंद होने का मुद्दा गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में उठा। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष विकास सिंह ने आग्रह किया की कि कम से कम उन वकीलों, पक्षकारों और अदालत के कर्मचारियों को स्टेशन का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए, जिनके पास सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश का वैध पास है। एससीबीए अध्यक्ष ने क्या कहा?-चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मुद्दा उठाते हुए विकास सिंह ने कहा कि जिन लोगों के पास सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश के वैध पास हैं और रजिस्ट्री के कर्मचारी हैं, उन्हें उचित सुरक्षा जांच के बाद सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलने की अनुमति दी जानी चाहिए। विकास सिंह ने कहा, मेट्रो में एक फायदा है कि जब वे ट्रेन से बाहर आते हैं तो वहां एक निकास बिंदु होता है। वहां उनकी जांच की जा सकती है। जिन लोगों के पास प्रॉक्सिमिटी कार्ड हैं और रजिस्ट्री के कर्मचारी हैं, उन्हें बाहर आने की अनुमति दी जा सकती है और बाकी लोगों से कहा जा सकता है कि वे दूसरी ट्रेन लें और चले जाएं। इससे लोग ट्रेन का इस्तेमाल भी कर पाएंगे। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट प्रशासन को पहले ही इस मामले को मेट्रो अधिकारियों के सामने उठाने के लिए कहा गया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को भरोसा दिलाया कि अगर यह मुद्दा नहीं सुलझता है तो वह खुद हस्तक्षेप करेंगे। यह उनके ऊपर है कि वे अधिकारियों से बात करें। वह इसे समाधान के एक विकल्प के रूप में भी देख रहे हैं। दोपहर के भोजन तक अगर कोई समाधान निकलता है तो ठीक है। अगर मेरे हस्तक्षेप की जरूरत पड़ी तो मैं करूंगा।

## संपादकीय Editorial

### Dispute Reaches the Prime Minister's Residence

**The paper leak movement, conflict, and protests have reached the doorstep of the Prime Minister's residence. This is undoubtedly a shocking reality. Such tampering with the Prime Minister's security is unacceptable. It is a punishable offense. Protest sites have been identified in the capital, Delhi. If there is any dispute regarding the paper leak and the future of the youth, Parliament is the platform for it. If the opposition refrains from creating ruckus, sloganeering, and vandalism in Parliament, then this issue can be discussed in the House. Even Prime Minister Modi has given this assurance, and while addressing NDA MPs, he assured that the paper leak "mafia" will not be spared. The government is taking strict action. The accused are also in jail. The Parliament session is ongoing, but proceedings are barren because the opposition considers creating ruckus its privilege. However, the Leaders of the Opposition in both houses of Parliament—Rahul Gandhi and Mallikarjun Kharge—have broken established law. Kharge's official residence is 10, Rajaji Marg, just 300 meters from the Prime Minister's residence. July 21st was Kharge's 84th birthday, so the Leader of the Opposition, the Lok Sabha, along with other Congress leaders, Chief Ministers, former Chief Ministers, MPs, and other prominent figures gathered at Kharge's residence. The strategy was likely decided there, and the Congressmen walked to the Prime Minister's residence. The argument was that the Prime Minister was not attending Parliament, so they had come to meet him. This was nothing but a fallacy. This protest was a blatant violation of security arrangements. Since most of the MPs were present, they could have staged a sit-in and raised slogans at a designated spot within the Parliament building. The threshold of the Prime Minister's residence is a "highest security" zone and is therefore "highly sensitive." Only the Prime Minister's convoy can pass through it. VVIP guests also travel the same route to meet the Prime Minister. The question is, did the police and intelligence agencies not even notice this protest? The Prime Minister is kept informed of every moment, so how did such a lapse occur? However, since independence, protests have only been held at the Prime Minister's residence twice, but both times the Leader of the Opposition was not involved. During the IC-814 hijacking in 1999, distressed and concerned citizens reached the Prime Minister's residence, as the plane was carrying many passengers and was hijacked by terrorists. Atal Bihari Vajpayee was the Prime Minister at the time. The second time, during the Anna Hazare movement in 2012, a crowd of youth protested at the Prime Minister's residence. Dr. Manmohan Singh was the Prime Minister at that time. In reality, a judicial resolution to any dispute, issue, problem, disaster, or scandal cannot be achieved by staging a sit-in at the Prime Minister's residence. The current Congress protest is a clear example of political anarchy, self-serving arrogance, and divided politics over a paper leak. Dr. Jitendra Singh, Minister of State in the Prime Minister's Office, and Union Home Secretary Govind Mohan visited the protest site twice and communicated with Rahul Gandhi, explaining to him the sensitivity of the Prime Minister's residence, but the Leader of the Opposition did not relent. He kept backtracking on his statement and repeatedly replied, "It's my wish..." The country doesn't run according to one person's whims. Finally, police personnel used mild force, picking up Rahul Gandhi and Akhilesh Yadav by the legs, detaining them, and pushing them onto a bus to Chhatrasal Stadium.**

# Is this the beginning of the end of the Modi regime?

(Article: Rajendra Sharma) If the streets fall silent, Parliament becomes a wanderer! According to this well-known adage, derived from Indian democratic practice, the "Parliament March" on July 20th, the first day of Parliament's monsoon session, which proved to be a massive youth march, initiated the crucial task for democracy of reining in Parliament and, indeed, the government. Surpassing all expectations not only of the government and its machinery, but also of those who called for the march, millions of students, youth, and other democratic sympathizers gathered at Jantar Mantar and all the roads leading to Parliament from early morning to join the Parliament March. The crowd was so large that any organized effort resembling a "march" in the traditional sense was impossible, as there were people everywhere. And there was an unusually large police presence.

And while it is noteworthy that this huge crowd, though not political in the traditional sense, was completely disciplined and peaceful due to its vocal and organic association with the issues raised through the month-long continuous sit-in at Jantar Mantar and the three-week-long hunger strike by the renowned academician, scientist and social activist, Sonam Wangchuk, and the left-wing students, it is also noteworthy that this army of youth had hardly any fear of the generally intimidating deployment of thousands of Delhi Police, besides the paramilitary forces with all their weapons. As a result, when police forces, under Amit Shah's direction, resorted to tear gas shells, lathi charges, and brutally beating hundreds of unarmed protesters, attempting to disperse this massive crowd, they set a record for the most severe repression ever conducted at a Parliament protest in the capital. Over a hundred injured were admitted to just two central government hospitals in the capital for treatment. Among them, the condition of one student is so critical that she is on a ventilator.

But even this repression failed to completely clear Jantar Mantar, Connaught Place, and the remaining area around Parliament, even late into the night. Even the main protest stage and the adjacent sub-stages of left-wing student organizations, which the police had completely vandalized during their attack on the protesters, declaring their complete control of the area, had been re-assembled by late evening, and with the stage immediately repaired, the protest had been declared to continue. Earlier, Sonam Wangchuk had announced his intention to continue his hunger strike in the hospital against the police repression during the Parliament march. Later that night, several leaders and MPs, including CPI(M) General Secretary MA Baby, joined the protest there, confirming its continuation.

On the other hand, as expected, on the very first day of the monsoon session, opposition leaders in both houses vehemently raised the issues of the youth's demands and the brutal police repression during their Parliament march. And as has become the norm under the Modi regime, the government, and the Chairmen at its behest, refused to hold an immediate discussion on the issue, forcing repeated adjournments of Parliament on the very first day due to the uproar. In another related development, which may be premature to read too much into, the Modi government at least acknowledged the existence of the month-long sit-in and hunger strike at Jantar Mantar, and the youth movement. A delegation of Cockroach Janata Party spokespersons met with the Modi government's Health Minister and former BJP President, J.P. Nadda, at his official residence and presented him with a five-point charter of demands for the march.

It is well known that this march was called for by the month-long sit-in at Jantar Mantar, demanding the resignation of Union Education Minister Dharmendra Pradhan, as a symbol of responsibility for the growing plight of public education, particularly in light of the irregularities in centralized examinations, including the NEET paper leak. The movement gained further momentum when Sonam Wangchuk and left-wing student leaders began a hunger strike in the second week of the sit-in. A memorandum of demands was also issued by the Cockroach Janata Party on behalf of the ongoing sit-in at Jantar Mantar, demanding the resignation of the Principal and the dissolution of the NTA, which received widespread support. Left-wing student organizations, including the SFI, AISA, and AISF, had been associated with the newly formed party's agitational program from the outset, as an expression of its efforts to bring the most pressing issues of students and youth to the center of attention, while it also enjoyed the solidarity of mass organizations representing youth, workers, farmers, women, and others.

The NEET paper leak, directly affecting 2.2 million students, and the subsequent CBSE exam paper evaluation scandal, affecting a much smaller number of students, exposed the gross inefficiencies of the examination system and the Ministry of Education, drawing national attention to the rapidly worsening crisis in the education system. With the Modi regime opening the doors to the commercialization, centralization, and communalization of education, this crisis is rapidly growing. Combined with the growing unemployment crisis, this poses a dire threat to the future of the youth. In the context of the twin crises of education and employment, the NEET paper leak has been a major concern. Left-wing, other student and youth organizations, and opposition political parties launched nationwide campaigns. Among the opposition parties, the Congress, the largest opposition party outside the Left, took particular initiative on this issue. Rahul Gandhi, the Leader of the Opposition in the Lok Sabha, was particularly interested in this campaign. The demand for Dharmendra Pradhan's resignation also emerged from this campaign.

However, when the Cockroach Janata Party made this a central issue in its first field action, it gained a strong support base, particularly among the younger generation connected to digital media, such as social media. It was possible to bring this issue to the center of national politics and to corner the Modi regime for its massive failures in a way that had never been possible before. The Parliament March on July 20th forcefully exposed this truth and further solidified it. It is no coincidence that a multi-edition Hindi daily, which typically takes a pro-government stance, highlighted in its headline, "Such a large demonstration has taken place in the capital after a full 14 years since the 2012 Abhaya incident."

Before, during, and after the Parliament March on July 20th, opposition parties have demonstrated a willingness to fully support this youthful fervor. Even the Congress, the main opposition party, which was running its own independent campaign on the issue of education, initially displayed some hesitation in its stance. By the time the Parliament March arrived, this had more or less disappeared. This is evidenced by the protest by several Congress leaders, including Rahul Gandhi and Priyanka Gandhi, at the Prime Minister's residence the very next day after the Parliament March against police brutality against the youth.

Nevertheless, during the month since the Jantar Mantar protest, the ruling RSS-BJP's propaganda machinery has attempted to pit the opposition, and especially the Congress, against this new energy. Opposition forces can only ignore it at their own cost. Distinction from traditional politics is a unique strength of phenomena like the cockroach Janata Party. Instead of turning it into an adversary and pushing it into the fold of Modi's regime, the opposition must find ways to cooperate with it. Only then will it be able to integrate this emerging youthful energy with its struggle to protect Indian secular democracy.

The vigorous demonstrations, initiated by leftist parties and other opposition parties, in support of the July 20 Parliament March and against the police brutality during the protest, must undoubtedly worry Modi's regime. Perhaps Modi's regime will be even more concerned that, despite the fact that he shut down phone and internet services in a large area around Parliament on the day of the July 20th Parliament March, the world witnessed the shameful saga of his police, albeit a little late, and the international media covered it in detail. This significantly diminishes the usefulness of his entire enterprise of suppressing the truth through his lapdog media. Even international human rights organizations have taken notice. The statement of the Deputy Asia Director of Human Rights Watch bears witness to this. There have been significant protests against this repression in various countries.

Before Modi's regime had even breathed a sigh of relief from the youth's anger, farmers, apprehensive of trade agreements being made with the West, arrived at the border. This was preceded by an almost spontaneous outburst of non-unionized workers, particularly in the National Capital Region and generally in North India, protesting their miserable working conditions. \

It seems that the Modi regime, using its divisive politics and complete control over the media, has devised a cover-up to conceal the growing plight of ordinary citizens. This cover-up is now cracking, and every section of society is coming forward with stories of their plight. Is this not the beginning of the end of Modi's rule?

# रील का शौक और अटूट प्यार: तीन बहनों ने एक ही युवक से की शादी, एक बहन ने बताया विवाह का कारण; अजीबोगरीब कारनामा

यूपी के अमरोहा से अजीबोगरीब कारनामा सामने आया है। यहां तीन बहनों ने एक ही युवक से शादी रचाई है। प्रसिद्ध चामुंडा मंदिर में हुए इस विवाह का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।अमरोहा के हसनपुर में रील बनाने के शौकीन युवाओं के अजीबोगरीब कारनामे अक्सर चर्चा में रहते हैं, लेकिन कोतवाली क्षेत्र में एक ऐसा अनोखा मामला सामने आया है जिसने सभी को हैरान कर दिया है। गंगा किनारे स्थित एक गांव की तीन बहनों ने एक ही युवक के साथ शादी रचा ली है। नगर के प्रसिद्ध चामुंडा मंदिर में हुए इस विवाह का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में दो सगी और एक चचेरी बहन अपने कथित पति के साथ बैठी नजर आ रही हैं। तीनों बहनों के इंस्टाग्राम और फेसबुक पर काफी एक्टिव अकाउंट्स हैं। उनमें से एक युवती ने वीडियो में शादी की वजह बताते हुए कहा कि उनके पिता ने एक बहन का रिश्ता तय किया था, लेकिन तीनों बहनों में इतना गहरा प्रेम है कि वे एक-दूसरे से अलग नहीं रह सकतीं।युवतियों का कहना था कि उन्होंने अपने पिता से किसी ऐसे परिवार में रिश्ता ढूंढने को कहा था जहां तीन भाइयों से उनकी शादी हो सके। जब ऐसा रिश्ता नहीं मिला और अलग होने की नौबत आई, तो उन्होंने खुदकुशी तक करने की योजना बना ली थी। हालांकि, उसी कोतवाली क्षेत्र के एक युवक ने उन्हें ऐसा कदम उठाने से रोका और सहारा दिया। इसके बाद तीनों ने उसी युवक को अपना पति स्वीकार कर लिया। 15 जुलाई को चामुंडा मंदिर में बिना किसी रिश्तेदार के यह अनोखी शादी संपन्न हुई। मंगलवार शाम यह अनोखा जोड़ा नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी के आवास पर भी पहुंचा, जहां पालिका अध्यक्ष की पत्नी ने तीनों बहनों के साथ एक रील बनाई जो इंटरनेट पर काफी सुर्खियां बटोर रही है।सनातन परंपरा के खिलाफ बताकर विरोध दर्ज- जहां यह घटना सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही है, वहीं स्थानीय स्तर पर इसका विरोध भी शुरू हो गया है।

व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता ने इस विवाह पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे सनातन धर्म की मान्यताओं के विपरीत बताया है।। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में एक से अधिक विवाह की अनुमति नहीं है और एक साथ तीन बहनों से शादी करना पूरी तरह गलत है। इस सामाजिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले कदम का खुलकर विरोध किया जाएगा।इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। यदि कोई शिकायत मिलती है जांच कराई जाएगी। उचित कार्रवाई की जाएगी। -पंकज कुमार त्यागी, सीओ हसनपुर

# जौहर विवि पहुंचा सपा प्रतिनिधिमंडल, छात्रों से मिले; ध्वस्तीकरण आदेश के विरोध में सरकार को घेरा

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के विरोध में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में सपा का प्रतिनिधिमंडल यूनिवर्सिटी पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने धरने पर बैठे छात्रों से मुलाकात कर आंदोलन को समर्थन दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता जुटे और आजम खान के समर्थन में नारेबाजी की।रामपुर में मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के विरोध में चल रहे आंदोलन को बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी का खुला समर्थन मिला। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में सपा का प्रतिनिधिमंडल दोपहर में जौहर यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल के पहुंचते ही धरने पर बैठे छात्र-छात्राओं और बड़ी संख्या में मौजूद सपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए उनका स्वागत किया।यूनिवर्सिटी गेट पर काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा। प्रतिनिधिमंडल में कई विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेता भी शामिल रहे। नेताओं ने धरनास्थल पर पहुंचकर छात्रों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी छात्रों के साथ खड़ी है और जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा।जौहर यूनिवर्सिटी के गेट पर सुबह से ही छात्रों और सपा कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया था। संभल, अमरोहा, मुरादाबाद और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में सपा नेता और कार्यकर्ता रामपुर पहुंचे। पहले सभी नेता बरेली-मुरादाबाद रोड स्थित टोल प्लाजा पर एकत्र हुए और वहां से काफिले के रूप में यूनिवर्सिटी पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल के आगमन को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट और आसपास के इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। अधिकारियों ने पूरे कार्यक्रम की निगरानी की और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी। धरनास्थल पर सपा कार्यकर्ताओं ने आजम खान के समर्थन में नारेबाजी भी की।कार्यकर्ताओं ने जौहर यूनिवर्सिटी पर की जा रही कार्रवाई का विरोध करते हुए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। छात्रों ने भी ध्वस्तीकरण आदेश वापस लेने की मांग दोहराई और कहा कि इससे हजारों विद्यार्थियों के भविष्य पर असर पड़ेगा। इससे पहले रामपुर पहुंचने पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और अन्य विधायक सर्किट हाउस पहुंचे थे।वहां उन्होंने बिजली व्यवस्था पर नाराजगी जताई। नेताओं का कहना था कि सर्किट हाउस में बिजली नहीं थी, एसी बंद पड़े थे और केवल इनवर्टर के सहारे कुछ पंखे और लाइटें ही चल रही थीं।उन्होंने इसे प्रशासनिक अव्यवस्था बताया। सपा नेताओं का कहना है कि वह प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर ध्वस्तीकरण आदेश वापस लेने की मांग करेंगे। दूसरी ओर, प्रशासन का कहना है कि पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

## संक्षिप्त समाचार

# रेल यात्री ध्यान दें ! रूट बदल कर जा सकती है आपकी ट्रेन

मुरादाबाद-बरेली रेलखंड पर किया जाएगा अनुरक्षण कार्य, सात अगस्त तक 20 ट्रैफिक ब्लॉक लेगा रेल यात्रा को और सुरक्षित बनाए जाने के उद्देश्य से रेलवे मुरादाबाद-बरेली रेलखंड पर ट्रैक टैंपिंग और अनुरक्षण कार्य किया जा रहा है। इसके चलते पॉवर ब्लॉक लिए जाएंगे। इससे ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सात अगस्त (28 जुलाई और दो अगस्त को छोड़कर) कुल 20 ट्रैफिक ब्लॉक लिए जा रहे हैं। ट्रैक टैंपिंग और मरम्मत मुरादाबाद मंडल के नगरिया सादात, शहजाद नगर, धमोरा, मूंढापांडे, रामपुर जंक्शन, क्लटरबकगंज, भिटौरा, परसा खेड़ा, दुगनपुर तथा मिलक स्टेशनों एवं इनके मध्य रेलखंडों पर चरणबद्ध रूप से किया जा रहा है। इस दौरान कोयला एवं खाद्यान्न रैक का संचालन प्रभावित न करते हुए ब्लॉक लिए जाएंगे। परिवर्तित मार्ग से संचालित होने वाली गाड़ियां- लालगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस (15910) 16, 19, 21, 23, 29, 31 जुलाई, चार और छह अगस्त) मुरादाबाद-चंदौसी-बरेली कैंट मार्ग से संचालित होगी। रामपुर जंक्शन का ठहराव निरस्त रहेगा और बरेली जंक्शन के स्थान पर बरेली कैंट में अतिरिक्त ठहराव दिया जा रहा है। जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस (13152) 16, 19, 21, 23, 29, 31 जुलाई चार और छह अगस्त को रामपुर जंक्शन, मिलक एवं क्लटरबकगंज स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा, जबकि बरेली जंक्शन के स्थान पर बरेली कैंट में अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। जम्मूतवी-हावड़ा एक्सप्रेस (13042) 16, 19, 23 जुलाई, छह अगस्त को जम्मूतवी-गुवाहाटी एक्सप्रेस (15654) 31 जुलाई को परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। जम्मूतवी-भागलपुर एक्सप्रेस (15098) 21 जुलाई और चार अगस्त को जम्मूतवी-गुवाहाटी एक्सप्रेस (15652) 29 जुलाई, मेरठ सिटी-लखनऊ एक्सप्रेस (22454) 17, 20, 22, 24, 30 जुलाई, एक, पांच और सात अगस्त को परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी।बीच रास्ते में रोककर चलाई जाने वाली गाड़ियां दरभंगा-अमृतसर एक्सप्रेस (15211) 24, 26, 28, 30 जुलाई, तीन और पांच अगस्त को 90 मिनट, अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस (12204) एक और पांच को 30 मिनट, मुरादाबाद-लालकुआं पैसेंजर (55301) तीन अगस्त को 45 मिनट, नौतनवा-अमृतसर एक्सप्रेस (14603) 24 जुलाई को 90 मिनट, मुरादाबाद-लालकुआं पैसेंजर (55301) 26 जुलाई को 30 मिनट, नई दिल्ली-बनारस एक्सप्रेस (15128) 26 जुलाई को 30 मिनट, नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस (20506) 26 जुलाई को 90 मिनट, अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस (12204) 26 जुलाई को 90 मिनट रास्ते में रोककर चलाया जाएगा।

# तीन सड़क हादसों में मां-बेटे समेत पांच लोग घायल

बिलासपुर। बुधवार को क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में मां-बेटे समेत पांच लोग घायल हो गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मिलक थाना क्षेत्र के ग्राम भोजीपुरा निवासी नौशाद बुधवार सुबह करीब 8:30 बजे अपनी मां मुन्नी को बाइक से लेकर नगर की ओर आ रहे थे। बिलासपुर-केमरी रोड स्थित कुइया गांव के मोड़ पर एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।दूसरी घटना नैनीताल हाईवे स्थित ग्राम मुल्लाखेड़ा के पास दोपहर करीब डेढ़ बजे हुई। उत्तराखंड के जिला ऊधम सिंह नगर के कस्बा गदरपुर के गांव चकरपुर निवासी लखविंदर सिंह और लवप्रीत सिंह बाइक से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे वाहन से बचने के प्रयास में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए।तीसरी घटना दोपहर करीब तीन बजे खजुरिया क्षेत्र में हुई। जिला बरेली के थाना शाही क्षेत्र के गांव भमोरा निवासी विशाल शर्मा की बाइक में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गए।सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सीओ हर्षिता सिंह ने बताया कि अभी तक किसी भी घटना की तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

# अजमेर में निकाह, मुरादाबाद में हत्या... रुड़की में फेंका शव, पति ने पत्नी की हत्या कर कोर्ट में किया सरेंडर

मुरादाबाद में कारोबारी की बेटी अदीला की उसके पति गुलफाम अली ने थार कार में गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपित ने शव को रुड़की नहर में फेंककर बाद में सरेंडर कियापति गुलफाम अली ने पत्नी अदीला की गोली मारकर हत्या की।

थार कार में गोली मारकर शव रुड़की नहर में फेंका गया। दिल्ली से लापता हुई कटघर निवासी कारोबारी की बेटी अदीला की उसके ही पति गुलफाम अली ने गोली मारकर हत्या कर दी। निकाह के बाद पत्नी द्वारा गिफ्ट की गई थार कार में ही आरोपित ने मुरादाबाद-लखनऊ दिल्ली नेशनल हाईवे पर कनपटी पर तमंचा सटाकर गोली मारी।

शव को उत्तराखंड के रुड़की में पहुंचकर नहर में फेंककर थार कार को घर खड़ी करके अगले दिन रामपुर के गंज थाने में दर्ज जानलेवा हमले के मामले में कोर्ट में जाकर सरेंडर कर दिया। बुधवार को पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार की है। दोनों ने अप्रैल माह में ही अजमेर पहुंच निकाह किया था, लेकिन इस बात की जानकारी अदीला के परिवार को नहीं थी। उधर रुड़की पुलिस को युवती का शव चार जुलाई को नहर में मिला और शिनाख्त नहीं होने पर अंतिम संस्कार भी कर दिया। कटघर के कोहिनूर तिराहा निवासी कारोबारी अदिव उर रहमान की बेटी अदीला रहमान हैदराबाद से ला की पढ़ाई कर रही थी। अदीला 25 जून को परीक्षा देने की बात कहकर घर से निकली थी। 29 जनवरी को हवाई जहाज से दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल नंबर एक पर उतरी थी। उसके बाद से उसका फोन बंद हो गया। उसके बाद परिवार के लोगों ने युवती की तलाश शुरू कर दी, लेकिन काफी तलाश के बाद भी जब उसका कुछ पता नहीं चला तो अदीला की मां ने 18 जुलाई को कटघर पुलिस को शिकायती पत्र दिया। युवती की मां ने देवापुर निवासी गुलफाम अली और इसके भाई कुरबान अली के खिलाफ बेटी के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस को पता चला कि गुलफाम अली ने रामपुर के गंज थाने में एक साल पहले दर्ज हुए जानलेवा हमले के मामले में एक जुलाई को रामपुर पहुंच कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने मंगलवार को कोर्ट से आरोपित की रिमांड मांगी।रिमांड के बाद बुधवार को पुलिस ने कोर्ट से आरोपित से पूछताछ करने की अनुमति मांगी। कोर्ट की अनुमति मिलने के बाद इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह टीम के साथ रामपुर जेल में पहुंच गए। यहां आरोपित से पुलिस ने पूछताछ की तो चौकाने वाला राजफाश हुआ। पुलिस के अनुसार गुलफाम अली ने अप्रैल माह में अजमेर शरीफ जाकर अदीला से निकाह कर लिया था। इस बात की जानकारी अदीला के परिवार को नहीं थी। पढ़ाई व कारोबार के सिलसिले में अदीला अक्सर बाहर रहती थी। ऐसे में दोनों नोएडा में किराये का फ्लैट रहकर रहने लगे। अदीला ने गुलफाम अली पर परिवार से बात नहीं करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। उसका पूरा खर्च खुद उठाती थी।निकाह के बाद पति को थार कार भी गिफ्ट की थी। परिवार से बात नहीं होने के चलते अक्सर दोनों में विवाद होने लगा। उधर 30 जुलाई अदीला दिल्ली से मुरादाबाद के लिए चली। अदीला ने रात में जोया पहुंची तो गुलफाम अली उसे लेने के लिए जोया थार कार से पहुंच गया। दोनों का कार में एक बार फिर विवाद शुरू हो गया। दोनों दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर स्थित पुराने टोल पर पहुंच गया। गोली मार दी। पत्नी की हत्या कर वहीं से शव को कार में डालकर रुड़की ले गया। जहां एक नहर में शव को फेंक रात में ही रामपुर अपने दोस्त के पास पहुंच गया। सुबह अपने घर पहुंचा और कार को खड़ी करके रामपुर कोर्ट में जाकर सरेंडर कर दिया। उधर युवती का शव चार जुलाई को रुड़की के मंगलौर मिल गया। वहां की पुलिस ने शिनाख्त कराने की कोशिश की, लेकिन 72 घंटे तक शव की शिनाख्त नहीं होने पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। अब पुलिस आरोपित गुलफाम पुलिस कस्टडी में लेकर हत्या में प्रयुक्त तमंचा, कार बरामद करेगी। आरोपित ने पूछताछ में युवती की हत्या करने की बात स्वीकार की है। शव को रुड़की नहर में फेंकने की बात बताई है।

# जौहर यूनिवर्सिटी के समर्थन में सपा का प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

बिलारी । जौहर यूनिवर्सिटी के भवनों के ध्वस्तीकरण के विरोध में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। बिलारी विधानसभा के सपा कार्यकर्ता सपा कैंप कार्यालय, एमआई हाउस पर एकत्रित हुए, जहां से विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान के नेतृत्व में मुरादाबाद स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क पहुंचकर धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन के बाद सपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह को सौंपा। ज्ञापन में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई रोकने तथा शिक्षा संस्थान और विद्यार्थियों के हितों की रक्षा की मांग की गई। विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने कहा कि सपा लोकतांत्रिक तरीके से अन्याय के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी। इस दौरान सपा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# लोकमान्य तिलक व चंद्रशेखर आजाद जयंती पर पोस्टर प्रतियोगिता

समोदिया । डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर, रुस्तमनगर (रामपुर) में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक व चंद्रशेखर आजाद की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

वंदना सभा के बाद दीप प्रज्वलन कर पुष्प अर्पित किए गए। प्रधानाचार्य पं. विनोद कुमार मिश्रा ने दोनों महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में आकृति, तनु, चेतना व पायल ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

## कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी ( मुरादाबाद )

### नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौहल्ला बाजार वार्ड संख्या-12 तहसील, बिलारी में स्थित भवन संख्या-39 जो गृहकर अभिलेखों में श्रीमति विमलेश पत्नी स्व0 श्री अरविन्द सिंह निवासी मौ0 बाजार, कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के नाम दर्ज है पर श्रीमति साधना सिंघल पत्नी श्री संजय सिंघल व श्री संजय सिंघल पुत्र रामस्वरूप निवासी मौ0 बाजार निकट बस स्टेशन कस्बा व तहसील बिलारी जनपद मुरादाबाद के द्वारा भवन के भूतल से छत लेन्टर की उंचाई तक के भाग को गृहकर अभिलेखों में अपने नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-08/05/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ बैनामे की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

| क्र म सं0 | भवन संख्या | मोहल्ला | वर्तमान में दर्ज नाम | नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 39 | बाजार | श्रीमती विमलेश पत्नी श्री अरविंद सिंह | श्रीमती साधना सिंघल व श्री संजय सिंघल व श्री संजय सिंघल पुत्र श्री रामस्वरूप |

उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की तिथि से 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बिलारी
( मुरादाबाद )

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## तहसील बहेड़ी में नवागत एसडीएम गोपाल शर्मा एवं बहेड़ी बार एसोसिएशन बहेड़ी के तहसील सभागार में हुआ परिचय सम्मेलन

क्यूँ न लिखूँ सच/सुमित गुप्ता/ बरेली तहसील बहेड़ी नवागत एसडीएम गोपाल शर्मा एवं बहेड़ी बार एसोसिएशन बहेड़ी के तहसील सभागार में हुआ परिचय सम्मेलन तो वहीं बहेड़ी बार एसोसिएशन बहेड़ी के अधिवक्ताओं ने नवागत एसडीएम गोपाल शर्मा को दिया अपना अपना परिचय परिचय देते हुए वहेडी तहसील कार्यालयो में आ रही समस्या समस्याओं से भी अवगत कराया नवागत एसडीएम गोपाल शर्मा ने समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया इस दौरान अध्यक्ष रामेंद्र सिंह राठी एडवोकेट महासचिव दीपचंद पांडे एडवोकेट कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार एडवोकेट ठाकुर कमल सिंह कुंदन लाल गंगवार एडवोकेट तेजपाल गंगवार एडवोकेट एडवोकेट ठाकुर रनसिंह जसवीर सिंह चौहान एडवोकेट नत्थू लाल मौर्य एडवोकेट तफसीर रहमान एडवोकेट दिनेश सूर्य एडवोकेट शकील अहमद गुरु एडवोकेट रीत मौर्य एडवोकेट राजाराम मौर्य एडवोकेट जसवंत सिंह लाखा एडवोकेट विनोद कुमार कोरी एडवोकेट साबिर रजा एडवोकेट धर्मेंद्र दिवाकर एडवोकेट अनवर अहमद एडवोकेट वीरेंद्र प्रजापति एडवोकेट एडवोकेट मनोज कुमार चौधरी एडवोकेट कृष्ण अवतार शर्मा एडवोकेट मानसिंह गौतम एडवोकेट मनोहर लाल गौतम एडवोकेट ढाकन लाल गौतम एडवोकेट सूरजपाल गंगवार एडवोकेट रामस्वरूप गंगवार एयरपोर्ट विजय कुमार मौर्य एडवोकेट धर्मपाल सागर एडवोकेट रामावतार गंगवार एडवोकेट जयप्रकाश ध्रुव गंगवार ठाकुर केंद्रपाल सिंह एडवोकेट रणधीर सिंह एडवोकेट जगन लाल एडवोकेट सतपाल गौतम एडवोकेट अरविंद कश्यप एडवोकेट अशोक गंगवार एडवोकेटकेसर कुमार गंगवार एडवोकेट धर्मपाल एडवोकेट जगदीश गुर्जर एडवोकेट राजेंद्र मौर्य एडवोकेट ज्ञान सिंह गंगवार एडवोकेट बलवीर सिंह एडवोकेट रमाकांत शर्मा एडवोकेट जेपी काला एडवोकेट ऋषि गंगवार एडवोकेट रामपाल यादव एडवोकेट आदि लोग मौजूद रहे

## कोटेदार किसान को नहीं दे रहा है राशन, शिकायत पर किसान के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच/ शेर सिंह/ भुता, । थाना क्षेत्र के गांव केसरपुर में कोटेदार किसान का अंगूठा नहीं लग रहा है। दूसरे समुदाय का कोटेदार होने के कारण शिकायत करने पर किसान के साथ मारपीट कर अन्य हिंदू लोगों को राशन न देने का धमकी भरा वीडियो वायरल। पीड़ित भगवत शरन ने बताया थाना क्षेत्र के गांव केसरपुर में सस्ता सरकारी गल्ला राशन की दुकान पर बुधवार को बाबू कोटेदार के पास राशन के लिए अंगूठा लगवाने गया था। आरोप है कि बाबू कोटेदार का लड़का आदिल अंगूठा लगवाने के नाम से भड़क गया और गंदी गंदी गालियां देने लगा। जब मैंने उसका विरोध किया तो उक्त आरोपी आदिल और नहीम मेरे साथ मारपीट करने लगे। पीड़ित का कहना है यह लोग काफी समय से राशन का अंगूठा लगवाने के लिए टहला रहे हैं। इधर कोटेदार के लड़के का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें वह आगे भी हिंदू वर्ग के लोगों को अंगूठा ना लगवाकर राशन न देने की धमकी दे रहा है। यहां तक की वह देश के प्रधानमंत्री को लेकर अभद्र भाषा की टिप्पणी कर रहा है। जिसको लेकर क्षेत्र के हिंदू समाज संगठनों में आरोपि के खिलाफ काफी रोष है। पीड़ित ने आरोपीयों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

## बरेली मंडल को मिलेगी नई पर्यटन पहचान, मंडल के पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बरेली मंडल में पर्यटन विकास से जुड़े 32 प्रस्तावों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बड़े शहरों तक सीमित न रखकर धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक में वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के तहत पर्यटन विभाग के 26, धार्मिक कार्य विभाग के 2 और संस्कृति विभाग के 3 प्रस्तावों पर चर्चा हुई। करीब 35 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं में बरेली के 12, शाहजहांपुर के 8 तथा पीलीभीत और बदायूं के 3-3 प्रस्ताव शामिल हैं।

समीक्षा के दौरान परंपरा पर्यटन एवं संस्कृति वन-स्टॉप सेंटर, सीबीगंज की 7 करोड़ रुपये की ईको-टूरिज्म परियोजना और निर्माणाधीन नाथ कॉरिडोर प्रमुख आकर्षण रहे। मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समय सीमा में पूरे हों, ताकि वर्ष के अंत तक श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

बैठक में विभिन्न मंदिरों, गुरुद्वारों और धार्मिक स्थलों पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, क्यूआर कोड आधारित सूचना प्रणाली, साइनेज और सौंदर्यीकरण जैसे विकास कार्यों पर भी जोर दिया गया। मंत्री ने सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और ऐतिहासिक तथ्यों के सत्यापन के निर्देश दिए।

बैठक में पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार, महापौर डॉ. उमेश गौतम, जनप्रतिनिधि तथा मंडल व जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

## जनसुनवाई में छलका डीएम का मानवीय चेहरा, किडनी मरीज महिला को 50 हजार से की मदद

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। जनसुनवाई में उस समय मानवीय संवेदनाओं की मिसाल देखने को मिली, जब किडनी रोग से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर महिला कंचन सिंह ने जिलाधिकारी अविनाश सिंह से उपचार के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। महिला ने बताया कि वह लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रही है और इलाज का खर्च उठाने में पूरी तरह असमर्थ है। महिला की पीड़ा सुनते ही जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी ओर से 50 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान कर महिला के इलाज में सहयोग का हाथ बढ़ाया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र और जरूरतमंद व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना है। डीएम की इस संवेदनशील और मानवीय पहल की जनसुनवाई में मौजूद लोगों ने जमकर सराहना की और इसे जरूरतमंदों के प्रति प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का प्रेरक उदाहरण बताया।

## पीडब्ल्यूडी बरेली के नए मुख्य अभियंता चंद्रशेखर प्रसाद गुप्ता चार्ज संभाला

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। लोक निर्माण विभाग बरेली (PWD) में हुए हालिया तबादलों के तहत चंद्रशेखर प्रसाद गुप्ता ने बरेली में मुख्य अभियंता का पदभार ग्रहण किया है। इसके अलावा, नव-प्रोन्नत चंद्रपाल सिंह को मुख्य अभियंता सहारनपुर तथा प्रेम सिंह को मुख्य अभियंता लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उनके कार्यभार ग्रहण करते ही बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

उप्र लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियएल एसोसियेशन, बरेली के पदाधिकारियों के द्वारा शिष्टाचार भेंट की गई। जिसमें जितेन्द्र कुमार क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा मुख्य अभियन्ता महोदय का अभिवादन किया एवं संगठन के हितों में कार्य करने का अनुरोध किया। जिसमें मुख्य अभियन्ता महोदय द्वारा संगठन की हर जायज मॉग पुराने करने का आवश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रान्तीय उपाध्यक्ष संदीप कुमार सिंह, प्रान्तीय संगठन मंत्री प्रशान्त शर्मा, क्षेत्रीय मंत्री अभिषेक अग्रवाल, जिला अध्यक्ष, बरेली जितेन्द्र कुमार पाठक, जिलामंत्री विकास सक्सेना, जिला अध्यक्ष फेडरेशन, बरेली राम किशोर, जिला मंत्री फेडरेशन रामगोपाल, जिला अध्यक्ष फेडरेशन पीलीभीत पंकज शर्मा आदि संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

## कांवड़ियों की राह होगी आसान, डीएम ने बदायूं रोड पर परखी तैयारियां, सड़क पेयजल, सफाई, रोशनी और यातायात हेतु दिए विशेष निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बदायूं रोड का स्थलीय निरीक्षण कर यात्रा मार्ग पर चल रही तैयारियों का जायजा लिया। कछला से जल लेकर आने वाले अधिकांश कांवड़ियों के इसी मार्ग से गुजरने तथा सड़क चौड़ीकरण कार्य के चलते उन्होंने व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सड़क के गड्ढों की तत्काल मरम्मत, जलभराव की समस्या का समाधान, नियमित साफ-सफाई, पर्याप्त पेयजल, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और सुचारु यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।डीएम ने कहा कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों को लगातार निगरानी रखने और हर व्यवस्था की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) देश दीपक सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक, खंड विकास अधिकारी क्यारा, लोक निर्माण विभाग, एनएचआई के अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

## 14.8 किलो डोडा सहित गौकश हिस्ट्रीशीटर को बिथरी पुलिस ने गिरफ्तार कर की कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। मादक पदार्थों की तस्करी में बिथरी चैनपुर पुलिस को सफलता हाथ लगी । प्रभारी निरीक्षक राजेश बाबू मिश्रा के नेतृत्व में 14.8 किलोग्राम अवैध डोडा के साथ एक शातिर गौकश और हिस्ट्रीशीटर अपराधी को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर बरेली-शाहजहांपुर हाईवे के पास घेराबंदी कर इरफान उर्फ भरा निवासी पदारथपुर को दबोच लिया गया।

तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 14.8 किलो अवैध डोडा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अवैध डोडा की बिक्री कर आर्थिक लाभ कमाता था। बरामद मादक पदार्थ के संबंध में वह कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी पर एनडीपीएस, गैंगस्टर, गोवध, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

## जल की हर बूंद बचाने का संकल्प, केसर इंटर कॉलेज में जागरूकता सप्ताह का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । बहेड़ी के केसर इंटर कॉलेज में भूगर्भ जल जागरूकता सप्ताह के तहत प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि इंजीनियर विमल माथुर ने कहा कि भूगर्भ जल जीवन की अमूल्य धरोहर है और इसकी हर बूंद का संरक्षण भविष्य की जरूरत है। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रधानाचार्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने शुद्ध पेयजल को अच्छे स्वास्थ्य का आधार बताते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया। उपप्रधानाचार्य चंद्रभानु सिंह ने दूषित जल से होने वाले रोगों की जानकारी दी, जबकि इको क्लब प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने वृक्षारोपण को जल संरक्षण का प्रभावी माध्यम बताया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी को भूगर्भ जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

**प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991**

## संक्षिप्त समाचार

### सात पुलिसकर्मियों को एसएसपी ने किया निलंबित, लगातार गैरहाजिर रहने पर गिरी गाज

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने बिना सूचना लंबी गैरहाजिरी, सोशल मीडिया उल्लंघन व अन्य मामलों में पुलिसकर्मियों को दिया है। सभी के विभागीय जांच गई है। निलंबित में रिक्रूट आरक्षी पीयूष मोहन, अनिल कुमार, आरक्षी सगुन कुमार, विवेक धामा, अजय कुमार, सौरभ कुमार और रसोइया विक्की कश्यप शामिल हैं। निलंबित पुलिसकर्मियों में रिक्रूट आरक्षी पीयूष मोहन, अनिल कुमार, आरक्षी सगुन कुमार, विवेक धामा, अजय कुमार, सौरभ कुमार और रसोइया विक्की कश्यप शामिल हैं। पीयूष मोहन को सात दिन के स्वीकृत अवकाश के बाद 3 जुलाई 2026 से बिना अनुमति गैरहाजिर रहने पर निलंबित किया गया। अनिल कुमार पांच दिन के अवकाश के बाद 14 जुलाई 2026 से ड्यूटी पर नहीं लौटे। सगुन कुमार 20 जून 2026 से और विवेक धामा 1 जुलाई 2026 से अवकाश के बाद अनुपस्थित पाए गए। सौरभ कुमार भी 13 जुलाई 2026 को निर्धारित ड्यूटी पर बिना अनुमति गैरहाजिर रहे। रसोइया विक्की कश्यप ने 5 जुलाई 2026 को ड्यूटी पर आने से इन्कार कर दिया और लगातार अनुपस्थित रहे। आरक्षी अजय कुमार पर सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना पॉडकास्ट/साक्षात्कार रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का आरोप है। एसएसपी ने इन आरोपों को गंभीरता से लेकर इन सभी को निलंबित कर दिया है।

### छात्र आंदोलन में शामिल होने वाले असिस्टेंट प्रोफेसर को नौकरी से निकाला

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। गन्ना उत्पादक (स्नातकोत्तर) महाविद्यालय बहेड़ी के असिस्टेंट प्रोफेसर (कॉमर्स ) डॉ. मोहित भारद्वाज ने प्रार्थना-पत्र देकर कि उन्हें बिना नोटिस, बिना और बिना सक्षम स्वीकृति के सेवा से जिलाधिकारी को आरोप लगाया है कारण बताए, बिना विभागीय जांच प्राधिकारी की हटा दिया गया। आरोप है कि जंतर मंतर पर धरना में शामिल होने पर कार्रवाई की गई। प्रोफेसर ने प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर सेवा बहाल कराने की मांग की है। डॉ मोहित भारद्वाज का कहना है कि उनकी नियुक्ति महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय की स्वीकृति के बाद 20 जून 2024 को हुई थी और उन्होंने 11 जुलाई 2024 को कार्यभार ग्रहण किया। उनका दावा है कि कॉलेज ने उन्हें पहचान पत्र जारी किया, जिसकी वैधता 30 जून 2027 तक है। इसके अलावा 20 मई 2026 को कॉलेज प्रशासन ने उन्हें उत्कृष्ट आचरण और कार्यनिष्ठा का प्रमाणित करते हुए चरित्र प्रमाणपत्र भी जारी किया। डॉ. भारद्वाज ने कहा कि उनके खिलाफ कभी कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई और न ही किसी जांच में कोई आरोप सिद्ध हुआ। उनका कहना है कि सेवा समाप्त होने से उन्हें और उनके परिवार को आर्थिक व मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सेवा समाप्ति आदेश पर रोक लगाने की मांग - उन्होंने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, जांच पूरी होने तक सेवा समाप्ति आदेश पर रोक लगाने, सेवा बहाल करने, बकाया वेतन व अन्य सेवा लाभ दिलाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मुख्यमंत्री से भी न्याय दिलाने की अपील की है।

### मकान की छत गिरने से कमरे में सो रही महिला की दबकर मौत, घर में मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। शाही थाना क्षेत्र के गांव केरा में बीत दिवस शाम जर्जर मकान की छत गिरने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार डायल 112 के जरिए बुधवार शाम सूचना मिली कि ग्राम केरा में मकान की छत गिरने से एक महिला दब गई।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि गांव निवासी गोविंद राम की पत्नी मुन्नी देवी (32 वर्ष ) कमरे में सो रही थी। इसी दौरान कमरे की जर्जर छत अचानक उन पर गिर गया। परिजन गंभीर रूप से घायल मुन्नी देवी को तत्काल बरेली के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

# जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी के सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष, सभी सम्मानित सदस्यगण तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पूर्व बैठक के निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा के साथ विभिन्न विकास कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने नल-जल योजनाओं के निर्माण कार्यों के दौरान ग्राम पंचायतों में खोदी गई सड़कों की मरम्मत में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने अथवा अन्य कार्यों के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, उनकी मरम्मत निर्धारित समय-सीमा में हर हाल में पूरी कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी विभाग द्वारा इस कार्य में लापरवाही बरती जाती है तो उसके विरुद्ध पुलिस में प्रकरण दर्ज कराने की कार्रवाई की जाए। अध्यक्ष श्रीमती रघुवंशी ने यह भी निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होने वाले सभी शासकीय कार्यक्रमों की सूचना संबंधित क्षेत्र के जिला पंचायत एवं जनप्रतिनिधियों को समय पर दी जाए तथा उन्हें सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाए, ताकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में बेहतर समन्वय स्थापित हो।बैठक की शुरुआत में पिछली सामान्य सभा में लिए गए निर्णयों के अनुपालन प्रतिवेदन को प्रस्तुत किया गया, जिस पर सदस्यों ने चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव दिए।

इसके बाद नवीन एजेंडे के विभिन्न बिंदुओं पर विभागवार समीक्षा की गई और विकास कार्यों की प्रगति, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा पंचायत स्तर पर आ रही समस्याओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे भी उठाए, जिन पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचे और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक का उद्देश्य ग्रामीण विकास कार्यों की नियमित समीक्षा, विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना तथा जनहित के कार्यों को गति प्रदान करना रहा। जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बैठक में जो निर्णय लिए गए हैं उनका समय-सीमा में पूर्ण कराया जाएं। उन्होंने बताया कि नये प्रवाधानो के तहत अब पेयजल संबंधी कार्य ग्राम पंचायतों के माध्यम से संपादित किए जाएंगे। पूर्व के वअधुरे ततसंबंधी कार्यों को पूर्व विभाग व एजेंसी को करना होगा।

इस दौरान बैठक में पेयजल व्यवस्थाओं को साथ-साथ शिक्षा स्वास्थ्य, खाद्यान्न वितरण व्यवस्थाओं के अलावा उत्कृष्ट विद्यालय, मॉडल स्कूल 200 सीटर बालिका छात्रावास एवं दिव्यांग छात्रावास में छात्रावास संचालन हेतु निर्धारित संचालन निर्देशिका का पालन करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला उत्कृष्ट विद्यालय, मॉडल स्कूल तथा राज्य बजट से संचालित बालक, बालिका छात्रावास में संचालन के निर्देश दिए गए हैं यह निर्देश कक्षा नवमी से 12वीं तक के लिए हैं।

## पीएम आवास योजना की समीक्षा: निरीक्षण में अनुपस्थित मिले नोडल अधिकारी व उपयंत्री, नोटिस के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों की प्रगति और निर्माण कार्यों की समीक्षा के लिए जिला पंचायत शिवपुरी के अधिकारियों ने विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। इस दौरान हितग्राहियों से संवाद कर उन्हें निर्धारित समय-सीमा में आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही निरीक्षण में अनुपस्थित पाए गए नोडल अधिकारी एवं उपयंत्री के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज ने जनपद पंचायत कोलारस की ग्राम पंचायत गोराटीला एवं डोड़ियाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी (आवास) एवं उपयंत्री हिमांशु त्यागी अनुपस्थित मिले। इस पर सीईओ ने दोनों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने हितग्राहियों से आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने की अपील भी की।

इसी क्रम में जिला पंचायत की परियोजना अधिकारी रागिनी त्रिवेदी ने जनपद पंचायत करैरा की ग्राम पंचायत सिरसौद का दौरा कर योजना की समीक्षा की। यहां आवास निर्माण की गति अपेक्षा से धीमी मिलने पर संबंधित हितग्राहियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही आवास परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए भी प्रेरित किया गया। जिला पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए लगातार मैदानी स्तर पर निगरानी की जा रही है। निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## जनपद में बीते 09 वर्षों में 70520 लाभार्थियो को मिला अपना घर

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूं सरकार द्वारा अप्रैल 2017 से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनपद बदायूं के सभी विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर पहुंचाया गया है। गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आवास सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता, सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान किया गया है। जिलाधिकारी अवनीश राय ने बताया कि आवासहीनों को आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (1.0 व 2.0) तथा मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी व ग्रामीण में गत नौ वर्षों में 70520 पात्र लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराते हुए 1056.11 करोड़ रुपए दिए गए। डीएम ने बताया कि अप्रैल 2017 से अब तक प्रदेश की वर्तमान लोकप्रिय सरकार के कार्यकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में विधानसभा सदर में 5264 लाभार्थियों को 63.16 करोड़ रुपए, विधानसभा

बिल्सी में 4122 लाभार्थियों को 49.46 करोड़ रुपए, विधानसभा बिसौली में 3837 लाभार्थियों को 46.04 करोड़ रुपए, विधानसभा सहसवान में 4098 लाभार्थियों को 49.17 करोड़ रुपए, विधानसभा दातागंज में 13524 लाभार्थियों को 162.28 करोड़ रुपए तथा विधानसभा शेखूपुर में 7375 लाभार्थियों को 88.50 करोड़ रुपए से लाभांवित करते हुए कुल 38220 लाभार्थियों को 458.61 करोड़ रुपए आवास हेतु दिए गए।डीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (1.0 व 2.0) में विधानसभा सदर में 3922 लाभार्थियों को 80 करोड़ रुपए, विधानसभा बिल्सी में 4672 लाभार्थियों को 102.69 करोड़ रुपए, विधानसभा बिसौली में 3461 लाभार्थियों को 64.61 करोड़ रुपए, विधानसभा सहसवान में 4448 लाभार्थियों को 81.39 करोड़ रुपए, विधानसभा दातागंज में 7266 लाभार्थियों को 152.41 करोड़ रुपए तथा विधानसभा शेखूपुर में 2097 लाभार्थियों को 39.22 करोड़ रुपए से लाभांवित करते हुए कुल 25866 लाभार्थियों को 520.32 करोड़ रुपए आवास हेतु दिए गए।

डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी व ग्रामीण में विधानसभा सदर में 887 लाभार्थियों को 10.64 करोड़ रुपए, विधानसभा बिल्सी में 608 लाभार्थियों को 7.29 करोड़ रुपए, विधानसभा बिसौली में 610 लाभार्थियों को 7.32 करोड़ रुपए, विधानसभा सहसवान में 1059 लाभार्थियों को 12.70 करोड़ रुपए, विधानसभा दातागंज में 2067 लाभार्थियों को 24.80 करोड़ रुपए

तथा विधानसभा शेखूपुर में 1203 लाभार्थियों को 14.43 करोड़ रुपए से लाभांवित करते हुए कुल 6434 लाभार्थियों को 77.18 करोड़ रुपए आवास हेतु दिए गए।

# युवा पंजीकरण से लेकर नशा मुक्ति तक, माय भारत की समीक्षा बैठक में तय हुई कार्ययोजना

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। माय भारत कार्यालय में उपनिदेशक पुष्पा सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में माय भारत की विभिन्न योजनाओं एवं अभियानों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। उपनिदेशक पुष्पा सिंह ने कहा कि 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के अधिक से अधिक युवाओं का माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को गांव-गांव एवं शिक्षण संस्थानों

तक पहुंचकर पंजीकरण अभियान की रफ्तार बढ़ाने और युवाओं को माय भारत से जुड़ने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। बैठक में एक पेड़ मां के नाम अभियान, यूथ क्लब गठन, अग्रिम यात्रा कार्यक्रम, कार्यक्रमों की समयबद्ध रिपोर्टिंग, मासिक कैलेंडर, मंथली प्रोग्रेस रिपोर्ट एवं अन्य विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की गई। साथ ही नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले जनजागरूकता कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने, युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा समाज में नशामुक्ति का व्यापक संदेश पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। उपनिदेशक पुष्पा सिंह ने निर्देश दिए कि प्रत्येक स्वयंसेवक अपने क्षेत्र में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए सभी गतिविधियों की रिपोर्ट समय पर माय भारत पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। बैठक में अंजलि वर्मा, संगीता, चमन प्रकाश, कौशल प्रताप सिंह, आरती सिंह, अनीता देवी, आदित्य भारद्वाज, पारस राजपूत, राहुल, आकांक्षा, अनामिका, अमित कुमार सहित अन्य राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### मां पीताम्बरा मत्स्योद्योग सहकारी संस्था के संचालक मंडल चुनाव का कार्यक्रम जारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। म.प्र. राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी द्वारा कोलारस तहसील अंतर्गत मां पीताम्बरा मत्स्योद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, राजगढ़ के संचालक मंडल के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत सदस्यता सूची को अंतिम रूप देने के लिए वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक संजय दुबे को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध प्राप्त होने वाली अपीलों के निराकरण के लिए उपायुक्त, सहकारिता को अपीलीय अधिकारी बनाया गया है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार प्रकाशित सदस्यता सूची पर आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। प्राप्त आपत्तियों का निराकरण एवं अंतिम सदस्यता सूची का प्रकाशन 1 अगस्त को किया जाएगा। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध अपील 3, 4 एवं 5 अगस्त को प्रस्तुत की जा सकेगी। अपीलों का अंतिम निराकरण 12 अगस्त तक किया जाएगा, जबकि अंतिम सदस्यता सूची 14 अगस्त को राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी को भेजी जाएगी।

### 28 जुलाई को डीएम की अध्यक्षता में होगी जिला सैनिक बन्धु की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूँ= कर्नल संदीप सिंह(अ0प्रा0) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, ने समस्त भूतपूर्व सैनिकों, दिवगंत सैनिकों की विधवाओं को सूचित करते हुए बताया कि उनकी कल्याणकारी समस्त समस्याओं के निराकरण हेतु जिला सैनिक बन्धु की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में दिनाँक 28 जुलाई 2026 को अपरान्ह 1:00 बजे से 2:00 बजे तक कलेक्टेऊट सभागार बदायूँ में होगी। यदि किसी भूतपूर्व सैनिक/ दिवंगत सैनिकों की विधवाओं की कोई समस्या है तो वह अपना प्रार्थना-पत्र दो प्रतियों में 27 जुलाई 2026 सायं 05:00 बजे तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

### एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी के नेतृत्व में बाल श्रम के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, 9 बच्चे कराए गए मुक्त, 7 नियोक्ताओं पर विधिक कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच/ अमरीक सिंह / नानपारा (बहराइच) बाल श्रम के खिलाफ तहसील प्रशासन नानपारा ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नानपारा नगर के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर सघन छापेमारी अभियान चलाया। जिलाधिकारी बहराइच के निर्देश पर उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के नेतृत्व में चलाए गए संयुक्त अभियान में 9 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया, जबकि 7 प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधित-2016) के तहत विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। संयुक्त टीम ने शिवपुर रोड, बाईपास चौराहा तथा नगर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में स्थित ऑटो सर्विस सेंटर, वेल्डिंग वर्क्स, प्रोविजन स्टोर, वस्त्रालय एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई स्थानों पर नाबालिग बच्चों से कार्य कराए जाने की पुष्टि होने पर उन्हें तत्काल श्रम से मुक्त कराया गया और संबंधित नियोक्ताओं को नोटिस जारी करते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने कहा कि बच्चों के हाथों में औजार नहीं, किताबें होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी व्यवसाय में कार्य कराना पूर्णत: प्रतिबंधित है तथा 14 से 18 वर्ष आयु के किशोरों से खतरनाक कार्य कराना भी कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में दोषी नियोक्ताओं के विरुद्ध जुर्माना एवं कारावास का प्रावधान है और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने व्यापारियों, प्रतिष्ठान संचालकों एवं अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को मजदूरी के बजाय विद्यालय भेजें और बाल श्रम मुक्त नानपारा एवं बाल श्रम मुक्त बहराइच के अभियान में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक बचपन उपलब्ध कराना है। अभियान में राजस्व विभाग, श्रम विभाग, पुलिस विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU), ROS संस्थान तथा प्रथम संस्था के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बाल श्रम के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

## फर्रुखाबाद पैसेंजर ट्रेन में बवाल: नेग मांगने को लेकर विवाद, 2 यात्रियों पर चाकू से हमला, 2 घंटे रुकी ट्रेन

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद की ओर आ रही कासगंज-फर्रुखाबाद पैसेंजर ट्रेन में बुधवार रात बड़ा हंगामा हो गया। शुकुल्लापुर रेलवे स्टेशन के पास नेग मांगने को लेकर कुछ किन्नरों और यात्रियों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दो यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना में हरसिंहपुर गोवा निवासी सुनील उर्फ अनूप और सौरभ घायल हो गए। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण हरसिंहपुर गोवा रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंच गए,

जिसके चलते ट्रेन करीब 2 घंटे तक रुकी रही। इस दौरान ट्रेन पर पथराव भी हुआ, जिससे दो खिड़कियों के शीशे टूट गए। मौके पर पहुंची जीआरपी और आरपीएफ ने स्थिति को संभाला और दोनों आरोपित किन्नरों को हिरासत में लेकर जीआरपी थाने पहुंचाया। घायल यात्रियों से भी पूछताछ की जा रही है। यात्रियों का आरोप है कि किन्नरों ने बोगी का गेट अंदर से बंद कर लिया था और बोगी में मौजूद आग बुझाने वाले सिलेंडरों का भी इस्तेमाल किया। पूरे मामले की जांच जारी है। आपकी राय क्या है? ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए? कमेंट में अपनी राय जरूर बताएं।

## फर्रुखाबाद में सपा का कैंडल मार्च: छात्रों को दी श्रद्धांजलि, नीट पेपर लीक पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में बुधवार शाम समाजवादी पार्टी (सपा) के सैनिक प्रकोष्ठ ने नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी कार्यालय से लोहिया मूर्ति तक एक विशाल कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। मार्च की प्रमुख बातें- आवास विकास स्थित पार्टी कार्यालय पर सपा जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव और प्रदेश सचिव सर्वेश अंबेडकर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकत्र हुए। कार्यकर्ताओं ने विरोध जताने के लिए काली पट्टी बांधी, गले में तख्तियां डालीं और हाथों में मोमबत्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों की तख्तियों पर लिखा था- %नीट पेपर लीक होने पर 20 से अधिक छात्रों को विनम्र श्रद्धांजलि%- लोहिया तिराहा स्थित लोहिया मूर्ति पर पहुंचकर सपा जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। यादव ने सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि नीट पेपर लीक के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या कर ली है, लेकिन सरकार उनकी आवाज दबा रही है और कोई ध्यान नहीं दे रही है। एडवोकेट पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि सैनिक प्रकोष्ठ के साथ सपा के अन्य प्रकोष्ठ भी इस मार्च में शामिल हुए। उन्होंने कहा, हम उन छात्रों को नमन करते हैं जो नीट परीक्षा के दौरान शहीद हो गए।

## एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी के नेतृत्व में बाल श्रम के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, 9 बच्चे कराए गए मुक्त, 7 नियोक्ताओं पर विधिक कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच/अमरीक सिंह/ नानपारा (बहराइच) । बाल श्रम के खिलाफ तहसील प्रशासन नानपारा ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नानपारा नगर के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर सघन छापेमारी अभियान चलाया। जिलाधिकारी बहराइच के निर्देश पर उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के नेतृत्व में चलाए गए

संयुक्त अभियान में 9 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया, जबकि 7 प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधित-2016) के तहत विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। संयुक्त टीम ने शिवपुर रोड, बाईपास चौराहा तथा नगर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में स्थित ऑटो सर्विस सेंटर, वेल्डिंग वर्क्स, प्रोविजन स्टोर, वस्त्रालय एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई स्थानों पर नाबालिग बच्चों से कार्य कराए जाने की पुष्टि होने पर उन्हें तत्काल श्रम से मुक्त कराया गया और संबंधित नियोक्ताओं को नोटिस जारी करते हुए कानूनी

कार्रवाई शुरू की गई। एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने कहा कि बच्चों के हाथों में औजार नहीं, किताबें होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी व्यवसाय में कार्य कराना पूर्णत: प्रतिबंधित है तथा 14 से 18 वर्ष आयु के किशोरों से खतरनाक कार्य कराना भी कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में दोषी नियोक्ताओं के विरुद्ध जुर्माना एवं कारावास का प्रावधान है और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने व्यापारियों, प्रतिष्ठान संचालकों एवं अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को मजदूरी के बजाय विद्यालय भेजें और बाल श्रम मुक्त नानपारा एवं बाल श्रम मुक्त बहराइच के अभियान में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक बचपन उपलब्ध कराना है।अभियान में राजस्व विभाग, श्रम विभाग, पुलिस विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU), ROS संस्थान तथा प्रथम संस्था के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बाल श्रम के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

## जातिसूचक एवं अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध मे सुभाषपा ने सपा के खिलाफ खोला मोर्चा अमित जादौन ने समस्त टीम के साथ दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/लवकुश ठाकुर / अलीगढ़। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) की उत्तर प्रदेश जिला इकाई ने पिछड़े, अतिपिछड़े, दलित एवं अतिदलित समाज के सम्मान, सुरक्षा और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पार्टी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा लगातार पिछड़े, अतिपिछड़े, दलित एवं अतिदलित वर्गों के विरुद्ध जातिसूचक, अपमानजनक एवं आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। इससे समाज के वंचित वर्गों में गहरा आक्रोश और असंतोष व्याप्त है। पार्टी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति या समाज को उसकी जाति के आधार पर अपमानित करना संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों के विपरीत है। ऐसे कृत्य सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने के साथ-साथ कमजोर एवं वंचित वर्गों के आत्मसम्मान और उनके संवैधानिक अधिकारों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। ज्ञापन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में गरीब एवं वंचित वर्गों को धमकाने, प्रताड़ित करने, उनकी भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास, जातिसूचक टिप्पणियां करने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित कर समाज में वैमनस्य फैलाने जैसी घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त की गई। पार्टी ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होकर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। प्रमुख पदाधिकारी रहे मौजूद- इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अमित जादौन जिला,सलहाकार स्योराज सिंह , जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार भास्कर शर्मा दीपक शर्मा अलका शर्मा प्रवीण कुमार सत्येंद्र कुमार भूपेंद्र गौड़ फराना बेगम सहित दर्जनों कार्यकर्ता अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में पार्टी ने जिला प्रशासन से मांग की कि ज्ञापन को मुख्यमंत्री तक तत्काल पहुंचाया जाए तथा संबंधित मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

## पीएम श्री स्कूल में प्यासे नौनिहाल: पानी नहीं, बंद पड़े शौचालय; माध्यमिक शाला के लिए भी ढोना पड़ रहा पानी

### बार-बार पाइपलाइन मरम्मत पर खर्च, फिर भी नहीं मिली पेयजल सुविधा; महुली के विद्यालय में बोरवेल की उठी मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर /देशभर में सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए संचालित पीएम श्री (PM SHRI) योजना के दावों के बीच सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड स्थित पीएम श्री प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला महुली की तस्वीर पूरी तरह अलग नजर आ रही है। यहां पढ़ने वाले बच्चे आज भी पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। विद्यालय परिसर में पानी नहीं होने से छात्र-छात्राओं को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि पानी के अभाव में स्कूल के शौचालय भी उपयोग के लायक नहीं रह गए हैं, पानी जबकि मध्यान्ह भोजन तैयार करने के लिए भी रसोइयों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों और अभिभावकों का कहना है कि पानी की समस्या वर्षों पुरानी है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। स्कूल परिसर में न तो अपना बोरवेल है और न ही नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था। परिणामस्वरूप बच्चों को पढ़ाई के समय बार-बार पानी की तलाश में बाहर जाना पड़ता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, पहले आंगनबाड़ी केंद्र के पीछे

से पाइपलाइन बिछाकर विद्यालय तक पानी पहुंचाने का प्रयास किया गया था। इस कार्य पर हजारों रुपये खर्च हुए, लेकिन पाइपलाइन बार-बार टूटती रही। हर बार मरम्मत और रिपेयरिंग के नाम पर सरकारी राशि खर्च होती रही, परंतु व्यवस्था कुछ ही दिनों में फिर ठप हो जाती है।इसके बाद दूर स्थित सोलर ड्यूल पंप से पाइपलाइन जोड़कर पानी उपलब्ध कराने का प्रयास भी किया गया, लेकिन यह व्यवस्था भी सफल नहीं हो सकी। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार पाइपलाइन सुधार पर सरकारी धन खर्च हो रहा है, लेकिन बच्चों को स्थायी पेयजल सुविधा आज तक नहीं मिल सकी। पानी की कमी का सबसे अधिक असर विद्यालय की स्वच्छता व्यवस्था पर पड़ा है। शौचालयों में पानी नहीं होने से छात्र-छात्राएं उनका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। वहीं मध्यान्ह भोजन बनाने वाली रसोइयों को प्रतिदिन दूर-दराज से पानी लाकर भोजन तैयार करना पड़ता है। इससे भोजन व्यवस्था और साफ-सफाई दोनों प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीएम श्री विद्यालय में स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षा और अन्य आधुनिक सुविधाओं की चर्चा होती है, लेकिन जब बच्चों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं है, तब ऐसी योजनाओं का उद्देश्य अधूरा दिखाई देता है। स्कूल प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत, शिक्षक, अभिभावक और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं सूरजपुर कलेक्टर से विद्यालय परिसर में तत्काल नया बोरवेल (बोरिंग) कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि स्कूल परिसर में बोरवेल स्थापित कर दिया जाए तो बच्चों को नियमित पेयजल मिलेगा, शौचालय चालू हो जाएंगे, मध्यान्ह भोजन बनाने में परेशानी नहीं होगी और बार-बार पाइपलाइन मरम्मत पर होने वाला सरकारी खर्च भी रुक जाएगा।

### संक्षिप्त समाचार

## कोच का बेटा ऋषि गुप्ता दरोगा बना

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा / जालौन कोच मोहल्ला गोखले नगर निवासी होनहार बेटा ऋषि गुप्ता का चयन दरोगा के पद पर होने पर लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की। मोहल्ला गोखले नगर के निवासी राकेश गुप्ता का पुत्र ऋषि गुप्ता का चयन यूपीएसआई परीक्षा परिणाम के बाद सब इंस्पेक्टर के पद पर चयन हो गया है जानकारी लगते ही मोहल्ले वासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए परिजनों का मुंह मीठा कराया और बेटे के उज्ज्वल भविष्य की कामना रूपी आशीर्वाद दिया। अच्छी शिक्षा दीक्षा के बाद मोहल्ला गोखले नगर में एक बेटा दरोगा बना इसी बात को लेकर मोहल्ले में खुशी की लहर दौड़ रही है ऋषि गुप्ता को हार्दिक शुभकामनायें एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें! ऐसे ही अपने माता पिता और व मोहल्ले वालों का नाम रोशन किया

## 109 शिक्षक बिना सूचना मिले अनुपस्थित, विभाग ने जारी किए कारण बताओ नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच/लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ जिले के परिषदीय विद्यालयों में निरीक्षण के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। पिछले 27 दिनों में 109 प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक और शिक्षामित्र बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए हैं। इस पर शिक्षा विभाग ने सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। शिक्षा विभाग के अनुसार, 23 से 30 जून के बीच बिजौली, अतरौली, गंगीरी, धनीपुर और जवां विकासखंड के विद्यालयों के निरीक्षण में 36 शिक्षक एवं शिक्षामित्र अनुपस्थित मिले। वहीं, 1 से 22 जुलाई तक गोंडा, चंडौस, बिजौली, इगलास, अकराबाद, धनीपुर, जवां, लोधा, खैर और गंगीरी विकासखंडों में हुए निरीक्षण के दौरान 73 अन्य शिक्षक और शिक्षामित्र गैरहाजिर पाए गए। उधर, परिषदीय विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने को लेकर भी शिक्षा विभाग ने सख्ती दिखाई है। 605 प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके बाद शिक्षक और प्रधानाध्यापक घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों का नामांकन कराने में जुट गए हैं। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि एक सप्ताह के भीतर नामांकन में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई तो संबंधित प्रधानाध्यापकों का जुलाई माह का वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी।

## डीएम आवास के सामने युवती ने आत्मदाह की कोशिश, पुलिस ने समय रहते बचाई जान

क्यूँ न लिखूँ सच/लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ सिविल लाइन थाना क्षेत्र में डीएम आवास के सामने गुरुवार को एक युवती ने अपने ऊपर डीजल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर उसे बचा लिया। पुलिस ने घटनास्थल से डीजल से भरी कैन और माचिस भी बरामद की है। पुलिस युवती को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां उसका उपचार और चिकित्सकीय परीक्षण किया गया। डॉक्टरों के अनुसार युवती की हालत फिलहाल स्थिर है। पीड़ित युवती, जो खैर थाना क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है, का आरोप है कि पढ़ाई के लिए परिवार ने फीस नहीं दी और उसके चाचा ने बीच बाजार में उसके साथ मारपीट कर कपड़े फाड़ दिए। युवती का कहना है कि वह पिछले पांच वर्षों से खैर थाने के चक्कर लगा रही है, लेकिन उसकी शिकायत पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। युवती के मामा ने भी परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। युवती के आरोपों की पड़ताल कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक में बीते चार घंटे, मां-बेटे की चली गई जान

क्यूँ न लिखूँ सच/लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ गंगीरी थाना क्षेत्र के गांव बिलौना में सर्पदंश की दर्दनाक घटना में मां-बेटे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 60 वर्षीय सोमवती देवी और उनके 25 वर्षीय बेटे छोटेलाल के रूप में हुई है।परिजनों के अनुसार, सांप के काटने के बाद दोनों को तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय करीब चार घंटे तक गांव में झाड़-फूंक कराई गई।

हालत बिगड़ने पर उन्हें जेएन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मां-बेटे की एक साथ मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय तत्काल अस्पताल पहुंचकर इलाज कराने की सलाह देते हैं।

# Why are children becoming emotionally isolated amidst all the amenities? How can parents recognize the danger signs?

Parents are confident that they sent their children to school on time. Sometimes, due to busyness or stress, many of their child's concerns simply go unheard. This attitude could potentially land the child in trouble. Last November morning, nine-year-old Amaira lost her life in an accident at a renowned school in Jaipur. CCTV footage released recently reveals that Amaira was a victim of bullying by her classmates. Failing to support her, constantly being the butt of her classmates' jokes, and being ignored and overwhelmed by her anxiety, she took the extreme step of suicide. This incident reflects the dark reality of the dazzling metropolitan environment, where children enjoy ample amenities, yet are emotionally isolated. Where is the flaw? Growing distance in the digital world - When a person experiences a traumatic or serious mental experience for a prolonged period, they can become depressed. During this time, they feel completely hopeless, helpless, and worthless. A nine-year-old's brain isn't developed enough to manage these complex emotions or seek help from the right sources. In this era of hyper-digitalization, children are connected to the world, yet emotionally disconnected. At an age when children should be learning empathy through human interaction, they are being handed screens. Communication at home has become mechanical—"Have you eaten?", "Did you finish your homework?", "How did you get your marks?", "Go to sleep, get up." No one is checking in with children emotionally—"How was your day at school today, son?", "What happened when you went out to play?"... From a young age, children are expected to be self-reliant and strong. Any child who expresses mental or emotional weakness is silenced with the clichéd advice to "be strong." As a result, they begin to hide their problems from everyone and feel extremely isolated. Today, there's a blind race to get good marks and be ahead of everyone else. We need to focus more on a child's behavior and mental health than on their marks. Parents and teachers typically pay attention to a child only when they get angry, throw things, or become aggressive, but we must prevent them from reaching that point. At times, introverted children suppress their problems and become lost in the crowded classroom. We need to focus on the child's overall development. Ask them, "How do you feel at school?", "Which friend do you like to be with?", and most importantly, "Who do you absolutely dislike and why?" Having just one counselor in schools is insufficient, as one person cannot handle thousands of children. Both teachers and parents need to engage in constant self-work. Dr. Deepali Batra, Clinical Child Psychologist: Identify Red Flags Decoding children's behavior in the classroom is the most important and primary step. In Amaira's case, she was clearly distressed in class. Teachers should be able to recognize early red flags in children's behavior. To achieve this, schools should provide regular training in emotional and personal well-being. It's not necessary to react immediately to every expression. However, if a child is staring blankly, has a look of fear or shock on their face, or appears completely emotionless, the teacher should immediately step in and talk to them. A simple sentence like, "Son, is something the matter?", "Do you need any help?", "Would you like to share something?" can prevent unwanted situations. A conversation will be resolved together. Being overly friendly with children may make them stubborn. Parents should maintain a balance between friendship and discipline. Teachers are under immense pressure to complete the syllabus and maintain discipline, which often leads them to ignore children's distractions. Emotional intelligence training for teachers is a pressing need today. It shouldn't be a mere formality; it should be thorough and regular. Silent bullying in schools occurs more often in places like corridors, playgrounds, washrooms, or school buses than in classrooms. To prevent bullying, teachers must be involved, along with school housekeeping staff, bus drivers, and security guards. They are often located in areas where teachers cannot reach. If guards and staff are given some basic instruction and sensitivity training, they can immediately report any suspicious or abusive activity. - Kanika Madan, School Counselor, DPS, R.K. Puram, Delhi

# Cafes are outdated, and cemeteries are becoming more of a date spot! Why is the Graveyard Dating Trend Favored by Young People?

The younger generation, especially Gen-Z, is increasingly choosing cemeteries over cafes or restaurants for dating. This "graveyard dating" trend is being adopted for peace, relaxation, and deep conversation, though it is also controversial. When it comes to dating, the first thing that comes to mind is a cafe or restaurant. Nowadays, going on a date isn't just about going out for dinner or lunch, but also about spending quality time together. Spending time together simply means understanding each other. In search of this quality time, the new generation, especially Gen-Z, has chosen a strange yet interesting method that will likely send shivers down your spine. Yes, in search of quality time, the new generation is choosing "graveyard dating," or dating in a cemetery. Let's learn more about this new dating trend. What is "graveyard dating"? This concept may sound a little scary or strange, but its purpose is to find peace and tranquility. Away from the hustle and bustle of restaurants, crowds in parks, and the stares of strangers, couples are now choosing to spend time together in the quiet surroundings of cemeteries. This place is also popular with couples because there are no loud noises or pressure to look perfect. In this form of dating, two people can simply express their feelings to each other in peace. What is the psychology behind this trend? This trend is not a common one; it also reflects the psychology behind the youth. In reality, this trend is not just an attempt to look different or be cool. Simply put, it is a kind of rebellion against traditional dating culture and the noisy digital world, but in a peaceful way. According to psychology, an atmosphere of fear, mystery, and silence suddenly deepens human emotions, helping two people understand each other better.

Why are couples choosing cemeteries? Young people, especially Gen-Z, are choosing cemeteries for dating for several reasons, some of which include: A quiet atmosphere, fewer interruptions or distractions, no pressure to spend money, a place for serious conversation, a break from the noisy, commercial date culture. Why is this trend controversial? While this new dating culture is appealing to young people, some people are not entirely happy with its approach. Critics of this trend believe that cemeteries are places of mourning, remembrance, and respect. Therefore, using these places as a romantic date spot can be insensitive or disrespectful.

# Is your child not gaining weight? Don't ignore it as just a 'ageing' issue; it could be a sign of intestinal disease.

A child's gut health isn't just about digesting food. In this article, let's explore how it affects their overall growth. Gut health is crucial for children's growth. Persistent stomach pain, diarrhea, and lack of weight gain are alarm bells. We often think our stomachs are solely responsible for digesting food, but that's not the case. According to Dr. Rajeev Uttam, Director of Pediatric Pulmonology and Intensive Care Unit (PICU) at Medanta Hospital, Gurugram, the foundation of a child's overall growth and health lies in their gut health. The intestines contain 70% of the body's disease-fighting white blood cells. Furthermore, the gut also plays a vital role in producing growth hormones and absorbing nutrients from food. Therefore, it's crucial to take care of your child's gut health. Let's understand, from an expert's perspective, which symptoms should be considered normal and when it's necessary to see a doctor. Common problems or red flags? Occasional gas or a slight change in bowel movements isn't a cause for concern. Stomach pain at night or after meals is also common in children. However, if this abdominal pain persists for several days, it should be investigated. Doctors take it very seriously if your child has persistent diarrhea, accompanied by dehydration, or blood and mucus in their stool. Alternating bouts of diarrhea and constipation can also be a sign of an underlying intestinal condition. Bloating and gas: It's common to feel a slight heaviness in the stomach after eating certain foods, but if your child's stomach constantly feels bloated, produces excessive gas, or shows signs of bloating, don't take it lightly. This could be a sign of a food allergy, celiac disease, or a lack of good bacteria in the intestines. Lack of weight gain isn't just a 'phase'—parents often worry that their child eats well, but their body doesn't seem to be taking advantage of it. Doctors advise that stunted growth in children should never be dismissed as simply a 'phase of life'. Unexplained weight loss or lack of weight gain indicates that the child's body isn't absorbing nutrients from food. This could be due to conditions like inflammatory bowel disease, celiac disease, or pancreatic dysfunction. Frequent vomiting and pain when swallowing—Vomiting is common in children with viral infections, but if a child vomits repeatedly without any apparent reason, it could be a sign of gastroesophageal reflux or another stomach problem. If left untreated, the child can suffer from malnutrition and dehydration. Difficulty swallowing or insisting on eating only certain foods also fall into this category. Red flags that should be seen immediately - Some symptoms are very serious and warrant immediate medical attention: Black stools or bloody stools. High fever accompanied by severe abdominal pain. Persistent, excessive vomiting. Persistent diarrhea accompanied by dehydration. Sudden, unbearable, severe abdominal pain. A proper lifestyle and diet are crucial for a healthy gut in children. Include fruits, green vegetables, whole grains, legumes, and fiber in their diet to promote good gut bacteria. Provide plenty of water, encourage regular play, and maintain a consistent mealtime. Avoid sugary drinks and ultra-processed junk food. Most importantly, avoid giving children antibiotics without a doctor's prescription, as these can destroy beneficial gut bacteria. When to seek expert advice? - Not every stomach problem is serious and sometimes gets cured on its own, but if any problem persists for more than two weeks, keeps coming back or adversely affects the child's growth, studies and daily life, then consult a pediatrician without delay.

# "Sisterly love..." Harshad Chopda revealed his relationship with Shivangi Joshi, shocking Ram Kapoor.

**Harshad Chopda clarified his relationship with Shivangi Joshi in "Lock Up 2," saying he loves her like a sister. Apoorva Mukhija, known as Rebel Kid, recently made a wild card entry in "Lock Up 2." Fans were excited to see how Apoorva would handle the atmosphere inside the house. While her first day went well, one conversation caught everyone's attention. During this conversation, Apoorva discussed the alleged relationship between Harshad Chopda and Shivangi Joshi. Many viewers felt that Harshad had given Shivangi the status of a "sister." When Shilpa Shinde repeatedly called them "love birds," Harshad's temper flared and he clarified that Shivangi's mother trusts him and he loves her like his own sister. Harshad called Shivangi his sister, saying, "Her (Shivangi's) mother trusts me. I'm her friend." As soon as he reacted strongly, Ram Kapoor interrupted and said, "It's a brother-sister relationship." Harshad then said, "I love Shivangi the way I love my sister, the way I love my mother, the way my father does." He further asked, "Have you ever seen me do anything?" Will Harshad remarry? The actor added that he is now 43 years old and probably won't remarry. He added that Shivangi is still young and at the right age for marriage. Saying such things about them could damage their image. Later, Harshad clarified that Shivangi's family knows him and they had asked him to take care of Shivangi. Meanwhile, some users on social media are mocking Harshad's statement. One user jokingly said, "Shivangi has entered the 'sister zone.'" Another user wrote, "According to Shivangi and Harshad themselves, they are now officially brother and sister!" The next episodes of Lock Up will air Saturdays to Thursdays at 8 p.m.**

# "Kissed me, slapped me, and abused me..." TV actress makes serious allegations against Karan Kundrra

**TV actress Saanvi Talwar has accused her co-star Karan Kundrra. The two have worked together on the same serial. Karan Kundrra and Saanvi Talwar worked on the 2015 TV serial "Yeh Kahan Aa Gaye Hum." The show was once in the news for a fight between the two. It's said that Karan Kundrra and Saanvi Talwar slapped each other on set. Now, years later, the actress has opened up about the incident, explaining what happened on set. Saanvi Talwar's allegations against Karan: In a conversation with Telly Masala, Saanvi revealed that she didn't talk to Karan much on set, which she didn't like. Because she didn't socialize with Karan, he and the director began harassing her. Meanwhile, she also heard that she was being replaced. Karan Kundra kissed an actress. She further discussed the kissing scene controversy. She explained that she and Karan had a kissing scene on the show. Karan kissed her before the director even asked her to. Saanvi said, "He kissed me before the director even asked him to. It was inappropriate. The director didn't say anything about it, so how did you do that? So I slapped him. When I slapped him, he didn't react and walked away." Karan slapped a co-actress. Saanvi Talwar explained that Karan Kundra came back and slapped her so hard that she fell to the ground. She said, "He came back 10-15 minutes later and slapped me hard in front of everyone. A boy's hand is much heavier than a girl's, and he slapped me so hard that I fell to the ground. No one there supported me." At that time, he abused me, my parents, and spoke very badly. At that point, I took my car and went home, determined not to work there anymore. Saanvi revealed that Ekta Kapoor later apologized to her on Karan's behalf and asked her not to leave the show so abruptly. She agreed and returned.**

# Meenakshi Seshadri to return with her original "hero" after 40 years, will she debut on OTT?

**Veteran actress Meenakshi Seshadri is set to return to cinema after nearly 40 years with a famous actor. Meenakshi Seshadri's return to cinema will be with this actor. The actress's comeback will be with a blockbuster film 43 years ago. When discussing veteran actresses in Hindi cinema, Meenakshi Seshadri's name is certainly included. Considered a hit machine in the 80s and 90s, Meenakshi has been a topic of discussion for some time regarding her return to cinema. Now, Meenakshi Seshadri's comeback has been confirmed, and the good news is that the project with which she is returning to the industry will see her sharing the screen with her most successful co-star. Let's find out who that actor is. Meenakshi Seshadri will make her Bollywood comeback with this actor. Actress Meenakshi Seshadri recently announced her return to Mumbai, saying she was looking for better opportunities in Hindi cinema. Meenakshi, who made her Hindi film debut with the 1983 film Painter Babu, achieved stardom with her second film, Hero, in which she was well-received by the audience. Following this, they starred in the films Dahleez (1986) and Allah Rakha (1986). Now, after nearly 40 years, Jackie and Meenakshi are working together again. Following her return to cinema, Meenakshi has signed on to the web series Nanavati vs. Nanavati, being developed for the popular OTT platform Amazon Prime Video, in which Jackie also plays a key role. Shooting for the eight-episode show began this week in Mumbai. On this basis, fans will once again see the pair of Meenakshi Seshadri and Jackie Shroff, who were seen in Hero movies, together. However, the official announcement regarding this comeback series of Meenakshi is yet to be made. It is known that the actress will debut on OTT through this series. Meenakshi is famous for these movies- Meenakshi Seshadri is known as the most successful lead actress of her time. She has worked with many actors from Amitabh Bachchan to Sunny Deol. If we talk about her popular movies, then their details are as follows- Shahenshah, Damini, Hero, Ghayal, Ghatak, Meenakshi has displayed her brilliant acting skills in many such movies.**